और अन्य खाद्यों, जिनमें पशुधन और समुद्री उत्पाद शामिल है, की उपलब्धता पर पर निर्भर करती है । भारत में खाद्यान्नों की प्रति व्यक्ति खपत इसके जैसे ही अन्य देशों से काफी तुलनीय है । देश में खाद्यान्नों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता समुचित है ।

अनुबंध

विवरण

1992-93 के दौरान कुल खाद्यान्नों का राज्यवार उत्पादन

(लाख मीटरी टन)

आन्ध्र प्रदेश	113.3
अरुणाचल प्रदेश	1.9
असम	34.5
बिहार	91.7
गोआ	1.5
गुजरात	54.1
हरियाणा	102.5
हिमाचल प्रदेश	14.1
जम्मू और कश्मीर	14.1
कर्नाटक	84.9
केरल	11.1
मध्य प्रदेश	163.2
महाराष्ट्र	140.7
मणिपुर	2.8
मेघालय	1.5
मिजोरम	1.0
नागालैंड	2.1
उड़ीसा	69.8
पंजाब	200.1
राजस्थान	113.9
सिक्किम	1.0
तमिलनाडु	84.2
त्रिपुरा	4.6
उत्तर प्रदेश	361.8
पश्चिम बंगाल	126.8
अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह	0.3
दादरा और नागर हवेली	0.3
दमन और दीव	0.1
दिल्ली	1.2
पाण्डिचेरी	0.7
समस्त भारत	1800.1

खाद्य मंत्रालय द्वारा अपनाये गये आर्थिक उपाय

1105. **श्री अजीत जोगी :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अपने व्यय में कमी करने के लिए उनके मंत्रालय ने कौन-कौन से आर्थिक उपायों को अपनाया है; और

(ख) इन उपायों को अपनाये जाने से वर्ष 1991-92 में कितनी धनराशि की बचत हुई ?

खाद्य मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) और (ख) दूरभाष, स्टाफ कारों, मुद्रित सामग्री के इस्तेमाल, यात्राओं और दौरों आदि के सम्बन्ध में अपनाए गए विभिन्न मितव्ययी उपाय करने और खर्च पर गहरी नजर रखने के फलस्वरूप 1991-92 के दौरान बजटीय प्रावधानों के प्रति लगभग 51.00 लाख रुपए की बचत की गई है।

मध्य प्रदेश में चीनी का उत्पादन

1106. **श्री अजीत पी0के0 जोगी :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष सितम्बर तक उत्पादित कुल चीनी में मध्य प्रदेश का कितना योगदान रहा है ;

(ख) पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष उत्पादन में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश में चीनी का कुल कितना उत्पादन हुआ है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प नाथ राय) : (क) 1992-93 चीनी मौसम (अक्तूबर-सितम्बर) के दौरान देश में उत्पादित कुल 106.09 लाख